पत्र स.849-W/10/Safety/2024/M-1/X

मंडल कार्यालय
उ.प.रेलवे ,जोधपुर
दिनांक 24.04.2024

समस्त मुख्य लोको निरीक्षक
एवं मुख्य क्र्यू नियन्त्रक
जोधपुर एंव मेडता रोड
समस्त लोको पायलट लोको पायलट शंटर एवम् सहायक लोको पायलट

विषय:- Safety Drive regarding prevention of SPAD Cases.

सन्दर्भ:- NWR/HQ/Safety/SD/10/24 Dated 24.04.24

****

उपरोक्त विषय व सन्दर्भित पत्र के अनुसार मुख्यालय द्वारा Safety Drive-10/2024 दिनांक 25.04.24 से 01.05.24 तक 7 दिन के लिए विशेष संरक्षा अभियान चलाया जा रहा है| अभियान के दौरान समस्त नामित रनिंग स्टाफ को संदर्भित पत्र के मदों पर काउन्सलिंग करे तथा स्वयं भी फुटप्लेट के दौरान जाँच करे तथा दिनांक 03.05.24 को इसकी अनुपालना रिपोर्ट मण्डल कार्यालय में प्रस्तुत करे |

- ड्यूटी पर आने से पूर्व पूर्ण विश्राम करके आये |
- ड्यूटी के दौरान क्रू अपने मोबाइल को स्विच ऑफ करके अपने बैग में रखे तथा स्वयं इसके बारे में सुनिश्चित करे |
- शेड से निकलने वाले इंजनों के सेफ्टी आइटम्स की उचित रिकॉर्ड के साथ गहन जांच करे |
- बीपीसी की वैधता की जांच करें,जहां भी आवश्यक हो ब्रेक पाइप कंटीन्यूटी टेस्ट करें।
- लोको पायलट जब भी गाड़ी/लोको का कार्यभार संभालेंगे तो पहले लोको को अच्छी तरह से जांच करे तथा नियमानुसार ब्रेक फील टेस्ट और ब्रेक पावर टेस्ट करेंगे, स.लो.पा. को इसका अवलोकन कर लो.पा की डायरी में नोट करना है |
- लोको पायलट/सहा. लोको पायलट को टर्मिनल स्टेशन/रिलीविंग स्टेशन से पहले अपना सामान पैक करना शुरू नहीं करना चाहिए|
- जहां दो सिग्नल (इंटरमीडिएट सिग्नल) प्रदान किए जाते हैं वहां विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, खासकर जहां यार्ड में एक से अधिक दिशा में लाइन जाती है। सुनिश्चित करें कि आपकी ट्रेन के लिए सही प्रस्थान सिग्नल दिए गए हैं।
- एक पीला/काशन आस्पेक्ट सिगनल पास करते समय अगले सिगनल तक नियंत्रित गति से चले तथा अपनी गाडी को पूरी तरह नियन्त्रण में रखे तथा किसी भी अवरोध से पहले या अगले सिगनल का आस्पेक्ट डेंजर /लाल मिलने पर निर्धारित/सुरक्षित स्थान पर खड़ी करे |
- सिग्नल को पार करने तक उस पर लगातार तीर्व द्रष्टि बनाये रखे |
- गाड़ी संचालन के दौरान लो.पा./स.लो.पा. कभी-कभी अनौपचारिक बातचीत में लगे रहते हैं और उनका ध्यान भटक जाता है। इसलिए LP/ALP को गाड़ी संचालन के दौरान पूरी एकाग्रता के साथ ट्रेन चलानी चाहिए और सेक्शन की स्थितियां जैसे अगला सिग्नल का आस्पेक्ट, काशन आर्डर ,कैटल ओन ट्रेक, गेट लोकेशन और किसी भी घटना के दौरान ट्रेन को नियंत्रित करने के लिए लो.पा. को स.लो.पा. द्वारा सूचित किया जाना चाहिए|
- LP/ALP को सिग्नल के स्थान की सटीक जानकरी होनी चाहिए और LP/ALP सिग्नल के सही संकेत को कॉल आउट करे |
- SPAD का प्रमुख कारण कमजोर/खराब लर्निंग रोड(LR) है। इसलिए सभी LP/ALP/LPS को सेक्शन/यार्ड/स्टेशन का सही ज्ञान होना चाहिए|
- एक पीले/काशन संकेत के सिग्नल को पार करने के बाद ट्रेन के प्रभावी नियंत्रण के लिए ALP को अगले सिग्नल के खतरे के संकेत पर ट्रेन रुकने तक बार-बार कॉल आउट करना चाहिए।
- मालगाड़ी के परीक्षण के दौरान APM की जांच करे|

- कुछ रेक में ट्रेन रुकने के समय लोड माइड मे पुश अप(धक्का) देने की प्रवृत्ति होती है (बीएलसी, बीटीपीएन आदि)। अत: ऐसी ट्रेनों को सिग्नल से पर्याप्त दूरी से पहले ही रोक देना चाहिए और ट्रेन को पुनः रेंगते हुए गति से चलाकर उचित स्थान पर रोकना चाहिए।
- गाडी संचालन के समय LP/ALP दूसरी लाइन पर गुजरती ट्रेनों से सिग्नल के आदान-प्रदान के समय विचलित हो सकते हैं। LP/ALP को ऐसी स्थिति में विशेष ध्यान रखना चाहिए और मुख्य रूप से अपने सिग्नल के संकेतो पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए|
- यदि किसी सिग्नल की दृश्यता गुजरने वाली ट्रेन या निकटवर्ती लाइन पर खड़ी ट्रेन के कारण बाधित होती है, तो बहुत सावधानी से आगे बढ़ें ताकि ट्रेन किसी भी समय रोका जा सके।
- क्रू को लोकोमोटिव में समस्या निवारण का विशिष्ट ज्ञान होना चाहिए। अन्यथा छोटी समस्याओं के हल न होने के कारण LP/ALP को तनाव हो सकता है|
- यदि किसी सिग्नल की दृश्यता कम या बाधित है, तो इसकी सूचना सबसे पहले दी जाए ताकि अन्य गाड़ी के क्रू को सतर्क किया जा सके।
- यदि एडवांस स्टार्टर सिग्नल दिखाई नहीं दे रहा है तो एडवांस स्टार्टर सिग्नल का संकेत दिखाई देने तक ट्रेन का संचालन सावधानी से करनी चाहिए। यदि सिग्नल का संकेत काशन या डेंजर है तो उसे लगातार काल आउट करना चाहिए। यदि सिग्नल का संकेत डेंजर है, तो लगातार गाड़ी रुकने तक कॉल आउट करें |
- एक पीला/काशन संकेत के सिग्नल को पार करने और ओन/डेंजर संकेत के सिग्नल पर ट्रेन रुकने तक अपना ध्यान न भटकाएं।
- एक पीला/काशन संकेत के सिग्नल पार करने और ओन/डेंजर संकेत के सिग्नल पर ट्रेन रुकने तक ALP को अपना हाथ आपातकालीन फ्लैप/D-1/RS वाल्व पर रखना चाहिए और उसको ऑपरेट करने के लिए तैयार रहना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करें कि ट्रेन डेंजर सिग्नल से पहले रुक गई है और ब्रेक पूरी तरह से लगा दिए गए हैं।
- सिग्नल के संकेतो को हाथ के इशारे से सिग्नल के नाम के साथ कॉल आउट जाना चाहिए। ऑटोमेटिक सेक्शन में सिग्नल को सिग्नल नंबर के साथ कॉल आउट करें ।
- यदि कोई सिग्नल दिखाई नहीं दे रहा है तो उसे भी "मुझे दिखाई नहीं दिया" कॉल आउट किया जाएगा ताकि दूसरा व्यक्ति अतिरिक्त सतर्क रह सके।
- LP/ALP द्वारा सतर्कता आदेश अलग-अलग से लिया जाएगा और पर्याप्त सावधानी बरतने के लिए सतर्कता आदेश को व्यक्तिगत रूप से हाईलाइट/मार्क किया जाएगा।
- LP/ALP/LPS को कैब में यात्रा कर रहे व्यक्ति पर कोई ध्यान नहीं देना चाहिए, खासकर पीला सिग्नल पार करने के बाद, और कैब में यात्रा करने वाले व्यक्ति को किसी भी तरह से चालक दल का ध्यान नहीं भटकाना चाहिए।
- लॉन्ग हुड लोकोमोटिव में, LP/ALP को सिग्नल के संकेतो को बहुत सावधानी से सुनिश्चित करना चाहिए।
- जब भी सिग्नल "ऑन" हो तो ट्रेनों को रेंगने की गति से रोका जाएगा|
- लूप लाइन से ट्रेन शुरू करते समय LP/ALP को पहले प्वाइंट, फिर लूप लाइन सिग्नल को देखना चाहिए और दोनों की जांच करने के बाद ट्रेन रवाना करें।
- यदि सिगनल की दृश्यता खराब/मौसम/आंधी/तूफान/बरसात/कोहरा के कारण बाधित है, तो LP/ALP/LPS को अधिक सतर्क रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के बाद ही सिग्नल कॉल आउट करना चाहिए कि सिग्नल केवल उनकी ट्रेन से संबंधित है|
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार चश्मे पहन कर रखे तथा अतिरिक्त जोड़ी साथ में रखे |
- ऑवर स्पीड और अति आत्मविश्वास से बचें।
- जब कोई सिग्नल किसी भी कारण से दिखाई न दे तो LP/ALP/LPS को उसका संकेत डेंजर मानना चाहिए।
- मेल/एक्सप्रेस/मालगाड़ी शुरू करते समय LP/ALP को ट्रेन मेनेजर के साथ नियमानुसार सिग्नल का आदान-प्रदान करना चाहिए इस बात पर ध्यान दें कि उनकी ट्रेन के सिग्नल ऑफ स्थिति में हैं।
- कुछ LP/ALP/LPS को यार्ड के अंदर सिग्नल ले आउट की जानकारी कम होती है। अत: इस प्रकार के LP/ALP/LPS (विशेषकर सी ग्रेड LP) को यार्ड की स्केच बनाकर लेआउट सीखना चाहिए और उसे नामित लोको निरीक्षक द्वारा जांचा और प्रमाणित किया जाना चाहिए ।

- चालक दल के LR की वैधता और गुणवत्ता सुनिश्चित करें।
- चालक दल और L I को लोकोमोटिव के सभी नए डिजाइनों के साथ पूर्ण रूप से परिचित होना चाहिए।
- गाड़ी संचालन के दौरान LP/ALP/LPS को लॉग बुक/असामान्यता रिपोर्ट नही लिखना चाहिए इससे एकाग्रता भंग होती है जिससे नुकसान हो सकता है इसलिए क्रू को ट्रेन रुकने के बाद लॉगबुक/असामान्य रिपोर्ट लिखनी चाहिए।
- रनिंग रूम में आराम करते समय LP/ALP/LPS कई बार मोबाइल फोन में सोशल मीडिया में व्यस्त रहते हैं तथा कई अन्य कारणों से पर्याप्त विश्राम नही करते है जिसके लिये सभी C L I को निर्देश दिए जाते है की इसके लिये रनिंग रूम में अचानक चेक करें तथा अपने नामित को मोबाइल स्विच ऑफ रखकर विश्राम करने की सलाह देवे|
- नामित एलआई द्वारा डाउन ग्रेडिएंट/घुमावदार यार्डों पर ट्रेन को पहले से नियंत्रित करने के लिए अपने नामांकित चालक दल को काउन्सलिंग करें |
- दिन और रात के समय सिग्नल की दृश्यता अलग-अलग होती है। इसलिए क्रू को दिन के साथ-साथ रात के समय सिग्नल की उचित दृश्यता के बारे में काउन्सलिंग करें तथा उनका ज्ञान स्तर चेक करें |

24/01

वरी.मंडल यांत्रिक इंजी. (Enhm&P)
उ.प. रेलवे ,जोधपुर

प्रतिलिपि –मंडल रेल प्रबन्धक,जोधपुर –सादर सूचनार्थ
अपर मंडल रेल प्रबन्धक (op), जोधपुर सादर सूचनार्थ
स.म.या.इंजी.(शक्ति),जोधपुर, आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ